श्रीमालीजी के समृद्धि सूत्र

सुख-समृद्धि की कामना किसे नहीं होती, सभी चाहते हैं कि उनका जीवन भौतिक सुख-सुविधाओं के साथ गुजरे। उन्हें किसी बात की कमी नहीं रहे, जो मन की इच्छा हो उसे वे पूरा कर पायें, स्वयं की ही नहीं वरन् अपने परिवार के सदस्यों की इच्छाओं को भी पूर्ण कर पायें। प्रत्येक व्यक्ति की कामना होती है कि वे अपने बच्चों को, अपने माता-पिता को, अपनी पत्नी को अच्छे जीवन यापन के साधन मुहैय्या करवा सकें, परन्तु ऐसा सौभाग्य सभी का नहीं होता। बहुत से लोग परिश्रम करने के पश्चात् भी इस मुकाम पर नहीं पहुँच पाते। यहां तक कि कुछ लोगों को तो दो वक्त की रोटी भी मुश्किल से प्राप्त होती है। यदि आप भी अपने जीवन में मुश्किल से जूझ रहे हैं, कठिनाईयों से लड़ रहे हैं तो यह स्तम्भ आपके लिये ही प्रारम्भ किया जा रहा है। इस स्तम्भ में गुरु जी आपको कुछ ऐसे छोटे और काम के प्रयोग बतलायेंगे जिन्हें सम्पन्न कर आप भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर पायेंगे। अपनी इच्छाओं को पूर्ण कर पायेंगे। आईये पढें 'गुरु जी के समृद्धि सूत्र' और सफल हो जायें...!!

अष्ट लक्ष्मी यंत्र

आठ प्रकार की सिद्धियाँ होती है और लक्ष्मी भी आठ प्रकार की होती है। यदि अष्ट लक्ष्मी सिद्ध कर ली जाय तो किसी भी प्रकार की दुविधा भावी जीवन के प्रति नहीं रहती। सारी चिंतायें, आर्थिक परेशानियाँ, न्यूनताएँ कर्पूर की तरह उड़ जाती है।

(1) यदि व्यक्ति अष्ट लक्ष्मी यंत्र अपने गले में धारण करता है या बांह पर बांध लेता है तो आश्चर्यजनक रूप से धन की प्राप्ति होती है।

(2) इस प्रकार का यंत्र धारण करने से व्यक्ति के पराक्रम में वृद्धि होती है और शत्रु भय समाप्त हो जाता है।

(3) जिसके गले में इस प्रकार का यंत्र पहना हुआ हो तो उसे किसी प्रकार का राज्य भय नहीं होता और निरन्तर राज्य में उन्नति होती रहती है।

(4) जो इस प्रकार का यंत्र धारण करता है उसके घर में पारिवारिक कलह समाप्त हो जाता है और घर में पूर्ण सुख शांति और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

अष्टलक्ष्मी यंत्र दक्षिणा न्यौछावर 1100/-

श्वेतार्क गणपति के प्रयोग-

(1) श्वेतार्क गणपति का तात्पर्य है-सफेद आक से निर्मित गणपति, जिसके घर में श्वेतार्क गणपति है उसके घर में दरिद्रता रह ही नहीं सकती।

(2) श्वेतार्क गणपति के सामने यदि "गं गणपतये नमः" मंत्र की एक माला मंत्र जप किया जाये, तो निश्चय ही उसके जीवन में उन्नति होती रहती है।

(3) धन-धान्य सुख-सौभाग्य ऐश्वर्य और प्रसन्नता के लिये श्वेतार्क गणपति से श्रेष्ठ और कोई विग्रह होता ही नहीं है, जिसे घर में स्थापित किया जाये।

(4) जिसके घर में दरिद्रता हो और प्रयत्न करने पर भी आर्थिक उन्नति नहीं हो, उसे अवश्य ही घर में श्वेतार्क गणपति स्थापित करना चाहिये।

(5) जीवन में सभी दृष्टियों से पूर्ण उन्नति सौभाग्य, श्रेष्ठता और पूर्णता प्राप्त करने के लिये श्वेतार्क गणपति अत्यन्त अद्वितीय है।

(6) श्वेतार्क-गणपति का अर्थ है आक से निर्मित गणपति। जहाँ पर अथक प्रयासों के बावजूद किसी कार्य में सफलता नहीं मिल पा रही है, दरिद्रता दामन नहीं छोड़ रही हो तो उस व्यक्ति को "श्वेतार्क गणपति" शिवरात्रि पर जरूर स्थापित करना चाहिए। इस प्रयोजन का ये सबसे सरलतम उपाय है। नित्य प्रवाल माला से निम्न मंत्र का एक माला जाप करें।

मंत्र- ॐ गणपतये नमः।।

श्वेतार्क गणपति को सदैव अपने घर में रखें। यदि संभव हो तो नित्य दूर्वा (हरि दूब या घास) अर्पित करें।

श्वेतार्क गणपति दक्षिणा न्यौछावर- 1500/- व 2100/-

पारद लक्ष्मी के प्रयोग

पारद का बना तो कोई भी विग्रह समाहित किये होता है अपने आप में वरदायक प्रभाव और फिर यदि वह पारद महालक्ष्मी हो तो बात ही क्या?

- चंचल पारे की तरह बद्ध हो जाती है लक्ष्मी भी इसी विग्रह के साथ-साथ। जिसका तो स्थापन ही पर्याप्त है, फिर भले ही कोई साधना की जाये या न की जाये।
- स्वर्णावती साधना या कनक-धारा साधना अर्थात घर में स्वर्ण वर्षा के समान "श्री" का आगमन होता है पारद महालक्ष्मीजी से।
- जो स्वर्ण निर्माण प्रक्रिया की ओर अग्रसर हों या स्वर्ण निर्माण में रूचि रखते हों उनकी साधना का आधार ही है पारद महालक्ष्मी।
- पारद महालक्ष्मी के नित्य दर्शन से शरीर अत्यधिक सुन्दर, गौर वर्ण, आकर्षक तो बना ही है, साथ ही उसके शरीर से ऐसी सुगन्ध प्रवाहित होने लगती है जो कठोर से कठोर व्यक्ति को भी अपनी ओर खींच ले।
- नित्य पारद महालक्ष्मी का षोडशोपचार पूजन करके शेष जल को घर भर में छिड़कने से समाप्त होती है-गृह दोष की समस्त स्थितियां और आधार बनता है शांति, सुख-सौभाग्य के स्थापन का।

पारद लक्ष्मी न्यौछावर- 2100/- व 3500/-

काली हल्दी के प्रयोग

काली हल्दी को सेवनीय तो नहीं, परन्तु 'पूजनीय' रूप में अत्यधिक सम्मान प्राप्त है। अनेक प्रकार के दुष्प्रभावों का शमन करने में यह अचूक सिद्ध होती है। धन को बढ़ाने में भी इसका कोई जवाब नहीं।

धन-वर्द्धक तन्त्र

'गुरुपुष्य-योग' में काली हल्दी को सिंदूर और धूप देकर, लाल वस्त्र में लपेटकर-एक दो मुद्राओं सहित बक्से में रख दें। इसके प्रभाव से बक्से में धन की वृद्धि होती रहेगी।

सौन्दर्य-साधना

काली हल्दी का चूर्ण दूध में छानकर चेहरे और शरीर पर लेप करने से सौन्दर्य में वृद्धि होती है। दूध के अभाव में पानी और कोई मीठा तेल भी ले सकते हैं।

काली हल्दी न्यौछावर राशि–100/–

आम की लकड़ी का स्वस्तिक

भारतीय संस्कृति के मांगलिक प्रतीकों में स्वस्तिक का सर्वोच्च स्थान है। जीवन के प्रायः प्रत्येक शुभकारी कार्य में स्वस्तिक की आकृति उकेरकर, अंकित कर सब प्रकार के कल्याण की कामना की जाती है। तात्पर्य यह है कि सर्व मंगल, कल्याण की दृष्टि से, सृष्टि में सर्वव्यापकता ही स्वस्तिक की गूढ़तम रहस्यमयता है। अनंत शक्ति, सौन्दर्य, चेतना, सुख-समृद्धि, परम मंगल एवं संपूर्णता आदि प्रतीकार्थों को संजोए स्वस्तिक समाज के सभी वर्गों द्वारा अत्यधिक आदर-सम्मान और श्रद्धा के साथ अपनाया जाता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी अक्षुण्ण कल्याणकारी उपयोगिता को बनाते हुए स्वस्तिक पूज्य एवं प्रेरक है, तभी तो साहित्य, संस्कृति, कला, अध्यात्म आदि में इसे उत्कृष्ट स्थान दिया गया है।

आम की लकड़ी और स्वस्तिक दोनों का संगम कर अर्थात् आम की लकड़ी का स्वस्तिक बनाकर उपयोग किया तो परिणाम बहुत ही सुखद थे। आप भी इस आम की लकड़ी के बने स्वस्तिक को अपने घर के दरवाजे पर, अपनी पूजा की आलमारी पर, शुभ स्थानों पर अथवा जिस कोण में वास्तु दोष है वहाँ पर लगा सकते है और परिणाम स्वयं महसूस कर सकते है। आप चाहे तो इसे लाल रंग से रंग भी सकते हैं लेकिन ध्यान रखें कि मात्र उपरी परत पर ही रंग लगाये।

स्वस्तिक न्यौछावर राशि– 550/-

लघु नारियल

संसार में प्रत्येक व्यक्ति आपको लक्ष्मी के पीछे भागता दिखाई देगा। हर कोई लक्ष्मी को प्रसन्न करने पर तुला है, बस किसी तरह उसकी कृपा दृष्टि हो जाये। लक्ष्मी को मनाने के लिये लोग ना जाने क्या-क्या उपाय करते हैं लेकिन हम आपको लक्ष्मी प्राप्ति का बिल्कुल सरल माध्यम बताने जा रहे हैं। जी हाँ, लक्ष्मी का प्रिय फल है श्री फल, 'श्री' लक्ष्मी को भी कहा जाता है। जब भी कोई विशेष आश्चर्य की वस्तु होती है तब वह दिव्य कहलाती है, विशिष्ट कहलाती है। नारियल का एक लघु रुप होता है उसे लघु नारियल भी कहा जाता है। कहा जाता है कि जहाँ ऐसा नारियल होता है वहाँ लक्ष्मी खिंची चली आती है।

किसी शुभ मुहूर्त में लघु नारियल को लाल कपड़े पर रखकर सिंदूर, कर्पूर, लौंग चढ़ाकर धूप-दीप देकर, मुद्रा अर्पित करके लक्ष्मी मंत्र की सात मालाएँ जप कर यदि धन स्थान में अथवा दुकान के गल्ले में रखा जाए तो यह फल अपनी स्थिति के प्रभाव मात्र से धन की बहुवृद्धि करता है।

श्री लघु नारियल न्यौछावर 151/–

व्यापार वृद्धि यंत्र

अगर आपके व्यापार में किसी कारणवश मंदी आ गई हो या किसी बाहरी षड़यंत्र के परिणामस्वरूप आपका व्यापार घाटे से बाहर नहीं निकल पा रहा हो तो व्यापार वृद्धि यंत्र आपके व्यापार के लिए रामबाण औषधि है।

- व्यापार वृद्धि यंत्र के साथ कुछ नागकेशर साथ रखने से इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।
- व्यापार वृद्धि यंत्र को कमल गट्टे की माला पर स्थापित किया जाय तो यह चमत्कारिक रूप से व्यापार का विस्तार करने लगता है।
- व्यापार वृद्धि यंत्र को यदि काले धागे से बांध दिया जाय तो व्यापारिक विपदाओं की समाप्ति होने लगती है।
- व्यापार वृद्धि यंत्र को स्थापित कर यदि काजल से पूरा काला कर दिया जाय तो उस व्यापारिक प्रतिष्ठान में, दुकान में कैसा भी संकट हो उसका समाधान हो जाता है। संकट समाधान हो जाने पर उसे जल में विसर्जित करें।

व्यापारवृद्धि यंत्र दक्षिणा न्यौछावर– 1100/–

महिमा मंडित पारद माला के प्रयोग

पारदमाला का ही दूसरा नाम त्रैलोक्य विजय माला है, इसे त्रैलोक्य विजयनी त्रैलोक्य भुवन मोहिनी तथा त्रैलोक्य शक्ति प्रदायक के नाम से भी पुकारा जाता है। शास्त्रों का कथन है कि इस माला को धारण करने से 64 सिद्धियां और नवनिधियां स्वतः प्राप्त हो जाती है, जहां एक ओर संसार का समस्त वैभव, सुख ऐश्वर्य व आनंद पहनने वाले को प्राप्त होता है, वहीं दूसरी ओर कई सिद्धियाँ उसे स्वतः प्राप्त होने लगती है, इसलिए इस माला को ''त्रैलोक्य पारद माला'' कहा गया है। इसके पहिनने से दरिद्रता का नाश होता है तथा श्रेष्ठ एवं आकस्मिक धनागम होने की संभावना बढ़ती है, शरीर के समस्त रोग स्वतः ही धीरे-धीरे कम होने लगते हैं और व्यक्ति स्वस्थ निरोग सौंदर्यशाली बनता है, इसके पहनने से आंखों की ज्योति बढ़ती है। तथा मस्तिष्क क्रियाशील होता है, व्यापार में तथा राज्य कार्यों में विशेष सफलता प्राप्त होती है, इसके धारण करने से व्यक्ति का पौरूष तथा हिम्मत, व्यक्तित्व अपने आप में बढ़ता है और उसमें अत्यधिक जोश साहस हिम्मत एवं आत्मविश्वास की भावना बढ़ जाती है, सबसे बड़ी बात यह है कि इस माला को धारण करने के बाद व्यक्ति समस्त कार्यों में सफलता पाने लगता है, जिसकी नजर इस माला पर पड़ती है, वह उसके वश में होकर उसके अनुकूल कार्य करने लग जाता है। आवश्यकता इस बात की है कि माला को नियमित रूप से पहने रहें और विश्वास के साथ इस माला को धारण करते हुए साधना में अनुरक्त रहें। वर्तमान में भी बहुतों ने इसका लाभ उठाया तथा कई लोगों को आंशिक लाभ का दर्शन हुआ।

पारद माला न्यौछावर– 2500, 3500 रु.

''कालसर्प यंत्र मुद्रिका''

समस्त कष्टों, दैहिक व मानसिक कष्टों के निवारणार्थ कालसर्प यंत्र का लॉकेट व मुद्रिका

कालसर्प योग एक भयानक पीड़ादायक योग है जो व्यक्ति के जीवन को अत्यन्त दुःखदायी बना देता है। उस व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी महत्वपूर्ण वस्तु का अभाव बना ही रहता है। चाहे वह व्यक्ति पूर्ण प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु हो अथवा विश्व में बेहद चर्चित बिगबुल हर्षद मेहता।

इस योग ने सभी को कष्ट दिया है। जैसे कि विभिन्न प्रकार के दैहिक व मानसिक कष्ट भोगने पड़ते है। स्वास्थ्य प्रायः बिगड़ा रहता हैं। पैतृक संपति उसके जीवन में नष्ट हो जाती है या पैतृक संपति उसे नहीं मिलती। मिलती भी तो आधी-अधूरी। कार्य-व्यवसाय में भाई बन्धु धोखा देते है। भूमि-भवन का सुख नहीं मिल पाता। शिक्षा भरपूर लेकर भी उसका जीवन में उपयोग नहीं होता। संतान से कष्ट पाता है। कोर्ट-कचहरी, दावे-थानों के चक्कर लगाने पड़ते है। धन का नाश होता है। वह विपत्ति काल में सब के काम आता है परन्तु विपत्ति में उसके कोई काम नहीं आता। अगर आप भी वाकई कालसर्प योग के प्रभाव में हैं तो कालसर्प यंत्र अंगूठी अवश्य धारण करनी चाहिए।

कालसर्प यंत्र न्यौछावर–2100/–अंगूठी, लॉकेट–1500/–

विश्व तंत्र ज्योतिष

प्लॉट नं.–1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज मैन गेट के पास, जोधपुर–342001 (राज.)
0291–2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्स : 0291–2618625
Email : tantravtj@yahoo.co.in Visit us : www.kamalshrimali.com

आप सीधे ही 'विश्व तंत्र-ज्योतिष' के बैंक एकाउन्ट में भी पैसा जमा करवा सकते हैं।
आपकी सुविधा के लिये बैंक एकाउन्ट नम्बर इस प्रकार हैं
STATE BANK OF INDIA A/C NO. 100-563-410-66
(All Amount Payble at Jodhpur Account)